

डॉ. अभिषेक रावत ने गिनाई प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, एक्सप्रेसवे से लेकर औद्योगिक विकास तक का किया उल्लेख

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के प्रांतीय मंत्री डॉ. अभिषेक रावत ने पत्रकार संघ भवन का इलेक्ट्रिक कचहरी जौनपुर में पत्रकार वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश आज बेहतर सड़क, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक विकास और परिवहन सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। डॉ. रावत ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान समय में 22 एक्सप्रेसवे के निर्माण की दिशा में कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि 26 जनपदों के 27 स्थानों पर लगभग 5300 हेक्टेयर भूमि पर कृषि एवं औद्योगिक विकास से संबंधित परियोजनाओं को विकसित किया जा रहा है, जिससे रोजगार और



निवेश के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के तहसील मुख्यालयों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने का कार्य भी लगातार जारी है। सरकार द्वारा दो लेन अथवा उससे अधिक चौड़ी सड़कों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने पर विशेष

की लंबाई बढ़कर लगभग 34,733 किलोमीटर हो गई है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क से प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम हुआ है तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिली है। उन्होंने हवाई संपर्क के क्षेत्र में भी प्रदेश की उपलब्धियां गिनाईं। उनके अनुसार वर्तमान में प्रदेश में 16 हवाई अड्डे संचालित हैं, जिससे विभिन्न शहरों के बीच हवाई संपर्क में विस्तार हुआ है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के अधिक से अधिक क्षेत्रों को आधुनिक परिवहन सुविधाओं से जोड़ा जाए। डॉ. रावत ने एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि

युवाओं को उद्योग एवं उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। लगभग 1,47,312 युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण उपलब्ध कराने की जानकारी उन्होंने पत्रकारों के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल बड़े शहरों का विकास करना नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और छोटे शहरों तक सड़क, उद्योग, रोजगार तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। डॉ. रावत ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान को मजबूती देंगे राकेश



खेतासराय जौनपुर। क्षेत्र के मनेछ गांव निवासी राकेश शर्मा को एंटी करप्शन मिशन में उत्तर प्रदेश प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनोनयन की जानकारी मिलते ही संगठन के पदाधिकारियों और शुभचिंतकों में खुशी व्याप्त हो गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमर सिंह, राष्ट्रीय प्रभारी प्रभात शंकर तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक मोहर सिंह, प्रदेश संयोजक धर्मराज सिंह, प्रदेश महामंत्री अवधेश दुबे, प्रदेश संगठन मंत्री अश्विनी मिश्रा और अमेठी जिलाध्यक्ष ध्यान सिंह ने राकेश शर्मा के मनोनयन पर प्रसन्नता जताई। नवनिर्भुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी ने कहा कि संगठन के उद्देश्यों और समर्पण भावना के साथ कार्य करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान को और मजबूती देने का प्रयास करेंगे।

दादर पुल पर खाई में पलटी इर्टिगा कार, बाल-बाल बचे दो लोग

मेदांता अस्पताल के पास खड़ी कार अचानक लुढ़की, सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी



शहागंज, जौनपुर। दादर पुल पर सोमवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब मेदांता अस्पताल के पास खड़ी एक इर्टिगा कार अचानक लुढ़कते हुए सड़क किनारे स्थित गहरी खाई में जा पलटी। हादसे में कार में सवार दो लोग बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुल पर कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा। बताया जाता है कि नौहरा क्षेत्र से कुछ लोग एक मरीज को उपचार के लिए मेदांता अस्पताल लेकर पहुंचे थे। चालक ने कार को दादर पुल के किनारे खड़ा किया और मरीज को लेकर अस्पताल के अन्दर चला गया। इसी दौरान अचानक खड़ी कार लुढ़कने लगी। आसपास मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते, कार ढलान की ओर तेजी से बढ़ते हुए सड़क किनारे स्थित गहरी खाई में जा पलटी। हादसे के समय कार में दो लोग मौजूद थे। कार के खाई में पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों लोगों को कार से बाहर निकालने में मदद की। गनीमत रही कि हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने पुल पर बाधित यातायात को सुचारु कराया। प्रारम्भिक तौर पर कार के हैंडब्रेक फेल होने अथवा ढलान पर कार को उचित तरीके से पार्क नहीं किए जाने को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। हादसे में किसी के हताहत न होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

शहागंज, जौनपुर। दादर पुल पर सोमवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब मेदांता अस्पताल के पास खड़ी एक इर्टिगा कार अचानक लुढ़कते हुए सड़क किनारे स्थित गहरी खाई में जा पलटी। हादसे में कार में सवार दो लोग बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुल पर कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा। बताया जाता है कि नौहरा क्षेत्र से कुछ लोग एक मरीज को उपचार के लिए मेदांता अस्पताल लेकर पहुंचे थे। चालक ने कार को दादर पुल के किनारे खड़ा किया और मरीज को लेकर अस्पताल के अन्दर चला गया। इसी दौरान अचानक खड़ी कार लुढ़कने लगी। आसपास मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते, कार ढलान की ओर तेजी से बढ़ते हुए सड़क किनारे स्थित गहरी खाई में जा पलटी। हादसे के समय कार में दो लोग मौजूद थे। कार के खाई में पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों लोगों को कार से बाहर निकालने में मदद की। गनीमत रही कि हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने पुल पर बाधित यातायात को सुचारु कराया। प्रारम्भिक तौर पर कार के हैंडब्रेक फेल होने अथवा ढलान पर कार को उचित तरीके से पार्क नहीं किए जाने को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। हादसे में किसी के हताहत न होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

11 घंटे बंद रही क्रॉसिंग, रेल ट्रैक किया दुरुस्त



गोसाईगंज। रेलवे के वार्षिक अनुरक्षण कार्य के चलते रविवार को टेढ़ई-झरिकागंज क्रॉसिंग करीब 11 घंटे बंद रही। सुह्र नौ बजे सम्पार संख्या 32/ए पर काम शुरू

होने के बाद सुल्तानपुर-अयोध्या मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। वाहनों को कटक। बाजार-टाटियानगर बाईपास चौराहा होकर शहर की ओर भेजा गया। इससे

काफिले पर हमले का विरोध, प्रदर्शन

सुल्तानपुर। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हमले के विरोध में रविवार को शहर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद जिलाध्यक्ष राजकुमार भीम के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि रविवार को चंद्रशेखर आजाद गोंडा में विनोद साहनी की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे। आरोप है कि रामनगर के पास कुछ लोगों ने उनके काफिले पर पत्थर और जूते फेंके। आरोप है कि पुलिस बल व अधिकारी मौजूद होने के बावजूद हमलावरों को नहीं रोका गया।

शाहगंज के दो लालों ने बढ़ाया जनपद का मान, सफलता पर हुआ सम्मान

संवाददाता



सहायक 2026 में कृषि प्राविधिक सहायक पद पर चयन हुआ है। दोनों की सफलता पर मदन निरा प्रतिष्ठान के कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आमिर शेख ने दोनों को सम्मानित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की यह उपलब्धि अत्यंत प्रेरणादायक है। कड़ी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। अंजनी यादव की प्रारम्भिक शिक्षा संयुक्त विद्यालय पखनपुर शाहगंज में हुई। उनकी शिक्षा की मजबूत नींव में प्रधानाचार्य गुफरान अहमद और अध्यापक नैमचंद बिन्द का विशेष योगदान रहा। वहीं मोहम्मद मुजाहिदीन ने गांव से प्रारंभिक शिक्षा के बाद धमउर कलापुर माध्यमिक उच्चतर विद्यालय, ग्राम विकास महाविद्यालय खुटहन और मोहम्मद हसन उपाधि महाविद्यालय जौनपुर से शिक्षा पूरी की। कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। सफलता से क्षेत्र में खुशी है। समारोह में तारकेश बिन्द, चांद बाबू, अखिलेश दुबे, परवेज अहमद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शाहगंज जौनपुर। क्षेत्र के दो होनहार युवाओं ने कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर पूरे जनपद का नाम रोशन किया है। इमामपुर, खुटहन निवासी मोहम्मद मुजाहिदीन ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति 2026 की अखिल भारतीय गणितीय विज्ञान परीक्षा में 55वीं श्रेणी प्राप्त की है। वहीं अंजनी यादव का उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कृषि प्राविधिक सहायक 2026 में कृषि प्राविधिक सहायक पद पर चयन हुआ है। दोनों की सफलता पर मदन निरा प्रतिष्ठान के कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आमिर शेख ने दोनों को सम्मानित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की यह उपलब्धि अत्यंत प्रेरणादायक है। कड़ी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। अंजनी यादव की प्रारम्भिक शिक्षा संयुक्त विद्यालय पखनपुर शाहगंज में हुई। उनकी शिक्षा की मजबूत नींव में प्रधानाचार्य गुफरान अहमद और अध्यापक नैमचंद बिन्द का विशेष योगदान रहा। वहीं मोहम्मद मुजाहिदीन ने गांव से प्रारंभिक शिक्षा के बाद धमउर कलापुर माध्यमिक उच्चतर विद्यालय, ग्राम विकास महाविद्यालय खुटहन और मोहम्मद हसन उपाधि महाविद्यालय जौनपुर से शिक्षा पूरी की। कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। सफलता से क्षेत्र में खुशी है। समारोह में तारकेश बिन्द, चांद बाबू, अखिलेश दुबे, परवेज अहमद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नदीम जावेद के नाम की चर्चा



पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय राजनीतिक चर्चाओं में 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रहे।

कांग्रेस के सामाजिक समीकरण और संगठन को मजबूत करने की रणनीति के बीच नदीम जावेद के नाम को जोड़े जाने की बात कही जा रही है। समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के तालमेल को लेकर भी उनके नाम की चर्चा होने की बात सामने आ रही है। वहीं, वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को बदले जाने की अटकलें भी राजनीतिक गलियारों में हैं। हालांकि, इन सभी चर्चाओं पर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उनके पिता प्रो. जावेद खान महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहे और विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। छात्र राजनीति से राष्ट्रीय संगठन तक का अनुभव रखने वाले नदीम जावेद का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद की चर्चा में आने से जौनपुर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भी इसको लेकर दिलचस्पी बढ़ी है।

विशाल के घर पहुंचे धनंजय, परिजनों को दी सांत्वना



जौनपुर। तिवारीपुर गांव में लोहे के सरिया से हमला कर विशाल यादव की हत्या की घटना के बाद सोमवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर

घटना की जानकारी ली और दुख की इस घड़ी में उन्हें ढाँढस बंधाया। परिजनों ने घटना से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए मामले में निष्पक्ष जांच और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की।

मालूम हो कि तिवारीपुर गांव निवासी विशाल यादव की बाजार में लोहे के सरिया से हमला कर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल है। सोमवार को पूर्व सांसद के पहुंचने पर परिजनों ने उनसे घटना के संबंध में बातचीत की और अब तक हुई कार्यवाही की जानकारी दी। धनंजय सिंह ने परिजनों की बात गंभीरता से सुनी और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि विपत्ति की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ा रहना जरूरी है। परिजनों ने मामले में निष्पक्ष कार्यवाही के साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने की मांग दोहराई।

तीसरी मंजिल से गिरकर पेंटर की मौत, गांव में पसरा मातम



रो-रोकर बुरा हाल रहा। सुतौली घाट पर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

अर्जुनपुर ग्राम पंचायत के जमीन रघौली गांव निवासी दुर्बली बिंद का 28 वर्षीय पुत्र पंकज बिंद बंगलूरू में रहकर पेंटिंग करता था। आठ सितंबर को काम के दौरान वह तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया था। गंभीर चोट लगने के बाद आसपास के लोगों और रिश्तेदारों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की जानकारी मिलने पर उसका बड़ा भाई केशव बिंद भी बंगलूरू पहुंच गया था। शनिवार को उपचार के दौरान पंकज की मौत हो गई। लेकिन के लोगों को तत्काल इसकी जानकारी नहीं दी गई। केशव बिंद परिवार गांव के लिए रवाना हुआ, तब परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। सोमवार को शव घर पहुंचते ही पत्नी अनीता और मां निर्मला का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पंकज की मौत से उसकी डेढ़ वर्षीय बेटी अंजिता के सिर से पिता का साथ उठ गया। दोपहर बाद सुतौली घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। पिता दुर्बली बिंद ने बेटे को मुखाग्नि दी। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है।

बंगलूरू में इलाज के दौरान तोड़ा दम, शव पहुंचते ही परिजनों में मचा कोहराम

खेतासराय जौनपुर। बंगलूरू में पेंटिंग का काम करते समय इमारत की तीसरी मंजिल से गिरकर घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। सोमवार को शव जमीन रघौली गांव पहुंचा तो परिवार में चोख-पुकार मच गई। पत्नी और मां का

भारत-चीन संबंधों पर सरकार स्थिति स्पष्ट करे, डोकलाम और अरुणाचल पर जवाब दे: अजय राय

संवाददाता

लखनऊ । यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान, मद्रासों को लेकर भाजपा नेताओं की टिप्पणियों, भारत-चीन संबंधों, ब्रिक्स सम्मेलन, भारतीय महिला क्रिकेट टीम से जुड़े विवाद और राहुल गांधी के मांसाहारी भोजन संबंधी बयान को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर चुनावी मुद्दों के जरिए जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार को विकास, रोजगार तथा चीन से जुड़े सीमा विवाद जैसे मुद्दों पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित



शाह की ओर से यूसीसी को लेकर की गई घोषणा पर अजय राय ने कहा कि भाजपा नेता पहले भी कई बड़े वादे कर चुके हैं, लेकिन बाद में उन्हें %चुनमा1% बताया गया। यूसीसी को लेकर की गई घोषणा भी आगामी चुनाव की तैयारी का हिस्सा है।

टिप्पणी पर अजय राय ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही भाजपा के नेता हिंदू-मुस्लिम और धार्मिक स्थलों से जुड़े मुद्दे उठाने लगते हैं। सरकार को यह बताना चाहिए कि कितने लोगों को रोजगार मिला, कितनी नौकरियां दी गईं और आम लोगों के लिए क्या काम किए गए। अजय राय ने सड़कों और पुलों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हमीरपुर में पुल से जुड़ी घटना और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के आवागमन प्रभावित होने का उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार का ध्यान आम लोगों की समस्याओं के बजाय बड़े कॉर्पोरेट हितों पर अधिक है। भारत-चीन संबंधों में सुधार और सीमा पर चीनी सैनिकों की संख्या में

कमी की रिपोर्टों पर अजय राय ने कहा कि केवल बयानों से स्थिति स्पष्ट नहीं होगी। उन्होंने डोकलाम और अरुणाचल प्रदेश से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार को देश की जनता के सामने इन मामलों की वास्तविक स्थिति रखनी चाहिए। भारत-चीन संबंधों में यदि वास्तव में सुधार हुआ है तो इससे जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों और सीमा की स्थिति के बारे में सरकार को विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एशिया कप जीत और ट्रॉफी से जुड़े विवाद पर अजय राय ने कहा कि भारत-पाकिस्तान से जुड़े खेल आयोजनों को लेकर अंतिम फैसला केंद्र सरकार को करना चाहिए। यह दो देशों से जुड़ा मामला है और ऐसे में



लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अपनी पैदाइश को लेकर की गई टिप्पणी पर सपा नेता ओम प्रकाश सिंह पर तीखा पलटवार किया है। सोशल मीडिया पर उन्हें 'मित्र ओम प्रकाश सिंह जी' संबोधित करते हुए राजभर ने कहा कि पिछले दो दिनों से उनका बयान सामने आ रहा है। बयान सुनकर उन्हें हैरानी नहीं हुई, बल्कि ओम प्रकाश सिंह पर तरस आया। उन्होंने कहा कि उनकी पैदाइश पर टिप्पणी इसलिए की गई,

क्योंकि वह किसी जमींदार या ऊंची जाति में नहीं, बल्कि बेहद गरीब और असहाय राजभर समाज में पैदा हुए हैं। राजभर ने कहा कि उन्हें राजभर होने का कभी दुख नहीं रहा बल्कि इस बात की खुशी है कि जिस समाज में पैदा हुए, उसके लिए कुछ करने की नीयत और होसला उनके अंदर है। उन्होंने कहा कि चाहें तो वह भी ओम प्रकाश सिंह पर अनर्गल टिप्पणी कर सकते हैं, लेकिन छोटी जाति में पैदा होने के बावजूद राजभर समाज ने किसी व्यक्ति के माता-पिता पर गलत बयानबाजी करना नहीं सिखाया। उन्होंने ओम प्रकाश सिंह के माता-पिता को प्रणाम करते हुए कहा कि कौन कब, कहा, किस कुल और किस जाति में पैदा होगा, यह कोई व्यक्ति तय नहीं करता। इसे परमात्मा तय करते हैं। इसके बाद राजभर ने सपा और ओम प्रकाश सिंह पर सियासी हमला तेज करते हुए कहा कि शायद वे लोग ईश्वर को नहीं मानते। अगर मानते होते तो भगवान राम, रघुकुल, सूर्यवंश और सनान का अपमान करने वाली समाजवादी पार्टी में एक विधानसभा टिकट के लिए अपमान का घूट पीकर नहीं पड़े रहते। राजभर ने कहा कि वह कर्म करने में विश्वास रखते हैं और कर्म के फल की चिंता नहीं करते। उन्होंने राजभर समाज के साथ पिछड़े, दलितों और शोषितों की आवाज बुलंद करने का प्रण लिया है और उसी को पूरा करने में लगे हैं। उन्होंने ओम प्रकाश सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें सपा का टिकट चाहिए तो बेशक लें। जनता सब देख रही है। वह उन्हें भी देख रही है और उनकी पार्टी को भी। समय आने पर नतीजा भी जनता ही देगी।

राजभर ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि ओमप्रकाश सिंह अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगेंगे और वह उनसे माफी की अपेक्षा भी नहीं रखते। हालांकि एक बार अपने माता-पिता को याद करके जरूर सोचें कि उनके जैसे छोटी जाति में पैदा हुए व्यक्ति की पैदाइश को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना उचित है या नहीं। राजभर ने आखिर में लिखा कि बाकी ईश्वर उनका भला करे। इसके साथ उन्होंने 'जय श्रीराम' लिखकर अपनी पोस्ट समाप्त की।

शोध और नवाचार पर फोकस करें कृषि विश्वविद्यालय- शाही

लखनऊ 14 सितम्बर । कृषि विश्वविद्यालयों को बदलती हुई जलवायु और बढ़ती जनसंख्या की पोषण मांग को ध्यान में रखते हुए नई प्रजातियों के विकास पर विद्यार्थियों से अधिक से अधिक शोध करने चाहिए, जिससे कृषि का सतत एवं धारणीय विकास हो सके और किसानों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार दिखाई दे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि भवन में कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ समीक्षा बैठक की। कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालयों द्वारा शैक्षणिक एवं शिक्षणकक्षा कार्मिकों की नियुक्ति में अपनवाई जा रही खिलाई पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि रिक्त पदों के सापेक्ष नियुक्ति की प्रक्रिया को तत्परता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। प्रत्येक विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप विशेष नई प्रजातियों को तैयार करने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करे। फसलों की नई प्रजातियों के विकास में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि हमें खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा भी उपलब्ध करानी है। विकसित की जाने वाली प्रजातियां वैश्विक खाद्य सुरक्षा मानकों पर पूरी तरह खरी उतरनी चाहिए ताकि प्रदेश के कृषि उद्योगों का निर्यात भी बढ़ाया जा सके। सभी नौ कृषि जलवायु क्षेत्रों एग्रो-क्लाइमैटिक जोन की परिस्थितियों, सिंचाई के उपलब्ध साधनों तथा मौसम के बदलाव को ध्यान में रखकर अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद से अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों के विकास पर विशेष बल दिया। बैठक में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, प्रमुख सचिव रवींद्र, विशेष सचिव ओपी वर्मा व लाल बहादुर यादव, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एसवीएस राजू, मेरठ कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति त्रिवेणी दत्त, कानपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता, नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, निदेशक कृषि टीएम त्रिपाठी सहित कृषि विभाग एवं विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हर व्यक्ति को न्याय के लिए सरकार की प्रतिबद्ध

लखनऊ 14 सितम्बर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ‘जनता दर्शन’ मे नागरिकों की समस्याओं को सुना तथा त्वरित, प्रभावी और न्यायसंगत समाधान के निर्देश दिए।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, वृद्धजन व युवा उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। अधिकतर प्रकरणों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधित मुद्दे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी की समस्याएं, पुलिस कार्यवाही से सम्बन्धित, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े मामले रहे जनता दर्शन आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है, जिससे जमीनी हकीकत सामने आती है। जनसमस्याओं के समाधान में शिथिलता या लापरवाही न हो। जिन मामलों में आवश्यक हो, वहां मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए और पीड़ितों को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। जरूरतमंदों व पात्र लोगों को हर सम्भव सरकारी सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलना ही चाहिए। सरकार आम जनता की भलाई के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और जनहित सर्वोपरि है।श्री मौर्य ने लोगों को आश्चस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार हर संभव कदम उठाएगी और कोई भी पीड़ित निराश न लौटे—यही प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।बोले,हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान न हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

एफएलसी चुनावी तैयारियों का महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण-मनीष गर्ग

संवाददाता

लखनऊ 14 सितम्बर।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं मंशा के अनुरूप ईवीएम मशीनों की फस्ट लेवल चेकिंग यानि एफएलसी की प्रक्रिया को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी रूपाम लखनऊ में ईवीएम की एफएलसी से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षत वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग मनीष गर्ग ने की।कार्यशाला में 33 जनपदों में प्रस्तावित ईवीएम की प्रथम स्तर की जांच एफएलसी के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं एफएलसी सुपरवाइजर को तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 19 अगस्त को गौतम बुद्ध नगर में 21 जनपदों तथा 11 सितम्बर को वाराणसी में 21 जनपदों के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए

एफएलसी संबंधी कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं।कार्यशाला में अयोध्या, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, सुलतानपुर, अमेठी, गोंडझ, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखनऊ, हरदोई, लखौमपुर खीरी, रायबरेली, सीतापुर, झाव, कानपुर नगर, अरैया, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, रामपुर, सम्भल, चित्रकूट, बांदा, हमीपुर, महोबा, झांसी, जालौन एवं ललितपुर समेत कुल 33 जनपदों के संबंधित अधिकारियों एवं एफएलसी सुपरवाइजर ने प्रतिभाग किया।कार्यशाला में यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिग्वा अखंड प्रताप सिंह अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीसी पात्रा प्रमुख सचिव भारत निर्वाचन आयोग अमित सिंह उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग ने कहा कि एफएलसी चुनाव की तैयारियों का शुरुआती और अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अब से चुनाव

नौकरी से निकाला, NSUI के साथ धरने पर बैठे गाईं को दिएं पत्र में करीब 12 वर्षों से सेवा देने का दावा किया गया हैं। उनका कहना है कि इतने लंबे समय तक काम करने के बावजूद अचानक नौकरी से हटा दिया गया। गाउँ ने बताया कि नौकरी जाने से उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाने के लिए यही नौकरी उनका मुख्य सहारा थी। अचानक रोजगार छिने से परिवार की जिम्मेदारियां पूरी करना मुश्किल हो रहा है। गाउँ का कहना है कि बिना कुलसचिव की अनुमति किसी कर्मचारी को हटाने का आदेश नहीं है। इसके बावजूद एजेंसी की ओर से कई गाउँ को हटया जा चुका है। कर्मचारियों का दावा है कि करीब 60 फीसदी सुरक्षा कर्मियों को हटाने की तैयारी चल रही है। गाउँ ने पत्र में यह भी कहा कि वर्षों की सेवा के दौरान उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं

हुए। सभी गेट नंबर-1 के पास बैठ गए और रोजगार बहाल किए जाने की मांग उठाई। सुरक्षा कर्मियों का कहना है कि वे कई वर्षों से लखनऊ विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि वे वर्ष 2018 से लगातार विश्वविद्यालय में काम कर रहे हैं, जबकि कुलसचिव

कर्मचारी को हटाने का आदेश नहीं है। इसके बावजूद एजेंसी की ओर से कई गाउँ को हटया जा चुका है। कर्मचारियों का दावा है कि करीब 60 फीसदी सुरक्षा कर्मियों को हटाने की तैयारी चल रही है। गाउँ ने पत्र में यह भी कहा कि वर्षों की सेवा के दौरान उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं

यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त, महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर वन : सुरेंद्र राजपूत

सरकार को घेरा और एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश को महिलाओं के खिलाफ अपराधों में देश में पहले स्थान पर बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों के खिलाफ व्यापक जन-अभियान चलाया जाना चाहिए। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के विधायक रघुराज प्रताप सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजपूत ने जंतर-मंतर पर हुए कथित 'जेन जेड' आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि लाठी और दबाव के बावजूद युवाओं ने अपना आंदोलन जारी रखा और उन्हें इस आंदोलन पर गर्व है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आंदोलन में शामिल युवाओं पर लातियां बरसाई गईं और उन्हें पाकिस्तानी तथा आतंकवादी तक कहा गया। उन्होंने कहा कि युवाओं का आंदोलन देश के खिलाफ नहीं बल्कि देश के समर्थन में था। यह एसी सरकारी के खिलाफ आवाज थी, जिसके कार्यक्रम में पेंपर लीक की घटनाएं सामने आईं और नौकरियों के अवसर लगातार कम हुए। पश्चिम बंगाल के नेता दिलीप घोष के बयान पर भी सुरेंद्र राजपूत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि घोष को किसी संभावित आतंकी गतिविधि या उससे जुड़ी जानकारी का पता है तो उन्हें मीडिया में बयान देने के बजाय राष्ट्रीय उद्देश्यों से जुड़े ऐसे फैसले लिए जाएं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी स्कूल बंद होने से प्रभावित लोगों, उत्तर प्रदेश की महिलाओं और देश के



हटाए जाने का मामला सामने आया है। नौकरी जाने से नाराज सुरक्षा कर्मियों ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के गेट नंबर-1 के पास धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने नौकरी बहाल करने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की और



समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में आने पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राजपूत ने इसे जनहित में उठाना जाने वाला बेहतरीन कदम बताया। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने समाचार एजेंसी आईएनएस से कहा कि यदि समाजवादी पार्टी सत्ता में आती है तो जनहित से जुड़े ऐसे फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इंडी अलायंस जनहितैषी कदमों के लिए जाना जाता है। इंडी

गोवंश संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

लखनऊ 14 सितंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण के साथ ही उनके बेहतर पालन-पोषण के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। सीएम सहभागिता योजना के माध्यम से निराश्रित गोवंश को इच्छुक एवं पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द कर उनका संरक्षण और देखभाल किया जा रहा है।अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक 93,287 लाभार्थियों को 1,67,658 गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में निराश्रित गोवंश को सुरक्षित एवं बेहतर आश्रय उपलब्ध हुआ है। ग्रामीण परिवारों को गोवंश के पालन-पोषण से जोड़कर आजीविका को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर निराश्रित गोवंश की समस्या को कम करने के साथ-साथ गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को जनसहभागिता से प्रभावी बनाया जा रहा है। सीएम सहभागिता योजना के तहत लाभार्थियों द्वारा सुपुर्द किए गए गोवंश की देखभाल, चारा-पानी एवं संरक्षण की जिम्मेदारी ली जाती है। इससे गोवंश को सुरक्षित वातावरण मिलता है और पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करने में मदद मिलती है।अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश में सार्वजनिक एवं गोचर भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के 62 जनपदों में 39,721.541 हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता गोचर भूमि को सुरक्षित रखते हुए उसका उपयोग गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सुनिश्चित करना है। निराश्रित गोवंश के संरक्षण की व्यवस्था को और मजबूती मिलने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को भी बढ़ावा मिलेगा।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए योगी सरकार का सख्त संदेश-‘वीडियो सामने आते ही एक्शन’

लखनऊ 14 सितंबर।युवाओं और नाबालिगों को नशे की चपेट में आने से बचाने के लिए योगी सरकार सख्त कदम उठा रही है। सरकार की नीति केवल अवैध और जहरीली शराब पर अंकुश लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कम उम्र के बच्चों तक शराब की पहुंच रोकने पर भी विशेष जोर है। लखनऊ में नाबालिग को शराब बेचने से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही आबकारी विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर यह संदेश साफ कर दिया कि नियमों से खिलवाड़ किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं होगा।नाशिल मोडिया एक्स और अमर प्लेटफॉर्म पर वीडियो प्रसारित होने के बाद सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया और संबंधित के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ ने 11 सितंबर को वीडियो की जांच कराई। जांच में वीडियो विकासनगर धाना क्षेत्र के शुभोली स्थित एक कम्पोजिट दुकान के सेल्लमैन की एक व्यक्ति से कहासुनी का पाया गया। वीडियो में सेल्लमैन पर नाबालिग बच्चे को शराब बेचने की बात कही जा रही थी। सेल्लमैन का व्यवहार उचित नहीं पाए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया। इसके साथ ही संबंधित कम्पोजिट दुकान के खिलाफ नियमानुसार प्रशमन की कार्रवाई करते हुए 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वीडियो सामने आने के बाद इतनी तेजी से हुई कार्रवाई ने साफ किया कि सरकार नाबालिगों तक नशे की पहुंच रोकने के मामले में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग और सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और पारदर्शी नीतियों के चलते पिछले साढ़े चार वर्षों से अधिक समय से प्रदेश में अवैध या जहरीली शराब की बिक्री का कोई मामला सामने नहीं आया है।

सिनेमा ने हिंदी को बनाया जन की भाषा
एक रोज टीबी ड़िबेट में एकर ने मुझसे पूछा कि कितने लोग पार्टियां बदल रहे हैं, उन्हें बड़े पद मिल रहे हैं-क्या आपका कोई विचार है कांग्रेस छोड़ने का? लंबा-चौड़ा जवाब दे सकती थी, लेकिन अनायास ही मेरे मुंह से निकला,
%कांग्रेस का इश्क मैं कैसे छोड़ दूँ, मेरी उम्र भर की तलाश है।%
ऐसा हम सबके साथ न जाने कितनी बार हुआ होगा कि किसी सवाल के जवाब में फिल्मी गाने की कोई लाइन बोल दी हो या कोई धमाकेदार डायलाग। विरले ही होंगे, जिन्होंने फिल्मी गानों की अंताक्षरी न खेली हो या फ़िल्मों के नाम पहचानने वाला डंब शराइस। हिंदी फ़िल्मों ने हिंदी में अभिव्यक्ति को नीरसता से बचा के रखा, उसने हिंदी को केवल बोला नहीं, उसे देश भर में एक खनक के साथ सुनाया। सिनेमा ने हिंदी को व्याकरण की किताबों और अकादमिक बहसों के भारी-भरकम बोझ से आजाद किया। आज जहां हिंदी है, वहां खड़े होने की जमीन हिंदी सिनेमा ने तैयार की और पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हिंदी का एक विशिष्ट समुदाय बनाया।
मेरे फूफ़ा जी, पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे कि %भाषा का मतलब सिर्फ़ जीभ नहीं है, भाषा हमारा मन और माथा भी है।%
इस बड़े हिंदी और गैर हिंदी-भाषी समाज के मन और माथे में पैठ बनाने के लिए हिंदी सिनेमा ने हिंदी भाषा का आलंकारिक और विलक्ष लिबास उतार फेंका और उसे सीधी-सादी जुबान में अपना लिया।
%बयां ऐसा कि दिल माने/जुबां ऐसी कि सब समझें%
उसका सिद्धांत बन गया। यही कारण है कि भाषा के तमाम विरोध और विवादों के बावजूद हिंदी सिनेमा बढ़ता गया और हिंदी भाषा का मार्ग प्रशस्त करता गया। एक लंबे समय तक बंबई के हिंदी फ़िल्म जगत में गैर-हिंदी भाषी लोगों का दबदबा रहा। जैसे कि बिमल राय, महबूब खां, गुरुदत्त, शशधर मुखर्जी, लता मंगेशकर, शमशाद बेगम, गीता दत्त, रफ़ी, किशोर, तलत महमूद, मन्ना डे, हेमंत कुमार। एक समय मंटो, राजेंद्र सिंह बेदी, राही मासूम रजा, शकील, साहिर, शैलेंद्र, मजरूह सुल्तानपुरी आदि ने मिलकर ऐसी हिंदी तैयार की जो सबके गले उतरी। उसमें उर्दू की नजाकत धुली, क्षेत्रीय बोलियों का सोंधापन मिला और समय के साथ अंग्रेजी के शब्दों को भी सहजता से अपना लिया गया। इसी खुलेपन ने हिंदी को %अभिजात वर्ग% की तिलोरी से निकालकर %अवाम% की धड़कन बना दिया। हिंदी सिनेमा ने इस भाषा को वह लचीलापन भी दिया, जिससे यह सुदूर दक्षिण के समुद्र तटों से लेकर पूर्वोत्तर के पहाड़ों तक सहजता से गूनुगुनाई जाने लगी। फिल्मी गीतों ने भी हिंदी भाषा का पूरा साथ दिया। हमारे हर सुख-दुख के लिए, हर मौसम, हर तीज-त्योहार के लिए कोई न कोई गीत मौजूद है। जैसे कि %साथी हाथ बढ़ाना...%, %डम-डम डीगा डीगा मौसम भीगा-भीगा...%, %होली के दिन दिल खिल जाते हैं...।%
फ़िल्म संगीत में आकर गीत, ग़ज़ल, कव्वाली सब ऐसे घुलमिल गए जैसे दूध और चीनी। जैसे कि %परदा है परदा...%, %किसी नजर को तेरा इंतजार आज भी है...।%
कुछ गीत और मुहावरेदार पंक्तियां सीधे दिल-दिमाग में उतर गए। जैसे कि %मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया...।%
यही नहीं, हिंदी फ़िल्मों ने बिना भेद-भाव धार्मिक आस्था को भी सशक्त किया। जैसे कि %शिरडी वाले साईं बाबा-आया है तेरे दर पे सवाली...%, %तूने मुझे बुलाया शेरवालिए...%, %ख्वाजा मेरे ख्वाजा...% आदि गीत जुबान पर चढ़ गए। नैतिक शक्ति को सुदृढ़ करने वाले गीतों की भी कमी नहीं रही। जैसे कि %इतनी शक्ति हमें देना दाता...%, %ऐ मालिक तेरे बंदे हम...।%
इन सभी गीतों की खूबी ये रही कि इन्हें याद करने की जरूरत नहीं पड़ी, ये अपने-आप ही स्मृति में रच बस गए। हर दौर में अच्छी-बुरी फ़िल्में बनती रही। आज भी नए कथानक वाली अच्छी फ़िल्में बन रही हैं, जिनकी भाषा में नई ताजगी है तो खराब थ्रिली-पिटी फ़िल्मों का सिलसिला भी जारी है, लेकिन एक अनमोल समय ऐसा भी था जब फ़िल्मों ने हमें कुछ ऐसे संस्कार दिए, जिनसे हमारी सभ्यता और विरासत पुष्ट हुई।
%ए मेरे वतन के लोगों...%
देश-प्रेम और सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाने वाला अनूठा गीत है।
%मदद डइया%
में मेहनतकश भारतीय नारी का देश की आम महिला के संघर्ष से अद्भुत मेल है। शैलेंद्र का गीत %हर जोर जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है...% वाकई एक नारा बन गया तो %बहुत कठिन है डगर पनघट की...%
एक मुहवारा।
%प्यार किया तो डरना क्या%
जैसी लाजवाब पंक्ति हो या %दीवार% का वह मशहूर डायलाग %मेरे पास मां है%, हिंदी को सहजने और संचारने का उपकार तो फ़िल्म जगत ने किया। हिंदी फ़िल्मों का मूल उद्देश्य तो मनोरंजन ही है, लेकिन हिंदी सिनेमा ने भाषा का लोकतंत्रीकरण तो किया ही। उसने हिंदी को किसी नियम-पुस्तिका में बंद भाषा नहीं रहने दिया, बल्कि उसे बोलचाल, भावनाओं और सामूहिक स्मृति की भाषा बना दिया, जिसमें हर जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा के लोग अपने सुख-दुख, प्रेम, विरह, हास्य और संघर्ष को कह सकें, लेकिन क्या हिंदी सिनेमा की सरल, सज़ल शब्दों-धारा, जो हिंदी भाषा में मिठास घोलती थी, आज आडंबर और बनावट भरे शब्दों से हिंदी को खारा बना रही है?
क्या हिंदी भाषा अपने ही आंगन में पराई हो रही है, यह मैं पाठक के विवेक पर छोड़ती हूँ!

BRICS में भारत की शानदार कूटनीतिक सफलता ने Brand Modi को और मजबूत कर दिया

नौरज कुमार दुबे

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता।

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता।
दिल्ली में हुई बिक्स शिखर बैठक को अगर केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मानकर देखा जाएगा तो उसकी असली राजनीतिक अहमियत समझ में नहीं

ऐसे समय में हुई, जब दुनिया कई मोर्चों पर तनाव, युद्ध, अविश्वास और बदलते शक्ति-संतुलन से गुजर रही है। ऐसे माहौल में भारत ने जिस तरह अलग-अलग ध्रुवों के देशों को एक मंच पर बैठाया, बावजूद के रास्ते छोले और मतभेदों के संवादक सहयोग की जमीन तैयार की, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के तौर पर सामने आई है। बिक्स की इस बैठक की सबसे बड़ी सफलता यही रही कि भारत ने उन देशों के

विचार विमर्श

कमजोर पटरी पर तेजी से दौड़ने का प्रयास कर रही भारत-चीन दोस्ती की रेल कहीं डिरेल ना हो जाए!

नौरज कुमार दुबे
दिल्ली में मोदी-शी बातचीत का सबसे महत्वपूर्ण वाक्य था - मोदी ने साफ किया कि सीमा पर शांति और स्थिरता ही संबंधों के आगे बढ़ने की बुनियादी शर्त है। दोनों देशों ने सीमा विवाद के न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत और चीन के रिश्तों में दिल्ली में जो नई गर्माहट दिखाई दे रही है, उसे केवल कूटनीतिक शिष्टाचार या दो नेताओं की मुस्कान की तस्वीरों से समझना बड़ी भूल होगी। असली कहानी इससे कहीं ज्यादा कठोर है। सात साल बाद भारत आए शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात ने यह साफ कर दिया है कि गलबान के बाद दोनों देशों ने टकराव को खत्म नहीं किया है, लेकिन अब वे उसे नियंत्रित करने और अपने-अपने हितों के लिए रिश्ते को फिर से व्यवस्थित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। मोदी का भाषण रोक कर शी से पूछना— +दृढ़ दृढ़ श्च4?+,, एक मानवीय कूटनीतिक क्षण था, लेकिन उसके पीछे की रणनीति कहीं अधिक गंभीर है। वामपंथीसाहित्य चुनें दिल्ली में मोदी-शी बातचीत का सबसे महत्वपूर्ण वाक्य था— +ष्ठदददददददददृष्टदृष्ट दृष्टदृष्टशहृष्टदृष्ट दृष्टदृष्ट दृष्टदृष्टदृष्ट दृष्टदृष्टदृष्टदृष्टदृष्टदृष्टदृष्ट+ मोदी ने साफ किया कि सीमा पर



शांति और स्थिरता ही संबंधों के आगे बढ़ने की बुनियादी शर्त है। दोनों देशों ने सीमा विवाद के न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही पुराने समझौतों का पालन करने पर जोर दिया। व्यापार, निवेश, सप्लाई चेन, बाजार तक भरोसेमंद पहुंच और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। यानी बातचीत अब केवल सीमा पर सैनिकों की दूरी घटाने तक सीमित नहीं है; दोनों देश रिश्तों का पूरा ढांचा दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यहां सबसे जरूरी सवाल

है कि चीन अचानक भारत की तरफ क्यों देख रहा है? देखा जाये तो जवाब चीन की इच्छा से ज्यादा बदलती वैश्विक परिस्थितियों में छिपा है। अमेरिका की बढ़ती संरक्षणवादी व्यापार नीति, टैरिफ का दबाव, पश्चिम और चीन के बीच तकनीकी संघर्ष तथा वैश्विक सप्लाई चेन का पुनर्गठन बीजिंग के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में भारत को लंबे समय तक केवल रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानकर चलना चीन के लिए महंगा पड़ सकता है। भारत दुनिया का विशाल बाजार है, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है

और ग्लोबल साउथ में उसका राजनीतिक प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। यही वजह है कि चीन भारत के साथ संबंधों को ंरणनीतिक और दीर्घकालिक+ नजरिए से देखने की बात कर रहा है। चीनी पक्ष ने खुद कहा है कि दोनों देश एक-दूसरे की ताकतों से सीख सकते हैं और साझा विकास को आगे बढ़ा सकते हैं। चीन के लिए यह केवल भारत से कारोबार बढ़ाने का मामला नहीं है; यह उस बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था में भारत को अपने साथ बनाए रखने की कोशिश भी है, जिसमें ऋष्मद्दृष्ट की भूमिका बढ़ रही है।

स्वतंत्रता और अराजकता में अंतर करे न्यायपालिका

हरबंश दीक्षित
संविधान सभा में अपने अंतिम संबोधन में डा. भीमराव आंबेडकर ने भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी दी थी, जिसकी प्रासंगिकता आज भी न केवल बनी हुई है, बल्कि बढ़ भी गई है। उनका कहना था कि जब अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संवैधानिक रास्ते उपलब्ध हों, तब असंवैधानिक साधनों का सहारा लेना %ग्रामर आफ अनाकी% यानी अराजकता का व्याकरण है। लगभग 77 वर्ष बाद यह चेतावनी एक नए सवाल के साथ हमारे सामने है। नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए वैध असहमति और कानून-विरुद्ध सामूहिक दबाव के बीच सीमा कैसे स्पष्ट रखी जाए और क्या ग्राम्र आफ अनाकी से बचने की कोशिश में हम कहीं %जुरिस्पूडेंस आफ अनाकी% अर्थात अराजकता के विधिशास्त्र की ओर तो नहीं बढ़ रहे हैं? हाल की कुछ घटनाओं से यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है। यह कोई स्थापित विधिशास्त्रीय अवधारणा नहीं, बल्कि एक चेतावनीपूर्ण रूपक है। इसका

आशय उस स्थिति की आशंका से है, जिसमें सामूहिक असहमति की रक्षा करते-करते व्यक्तिगत कानूनी उत्तरदायित्व कमजोर पड़ने लगे। पहली बात स्पष्ट है कि असहमति अराजकता नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा की स्वतंत्रता देता है। सरकार की आलोचना, नीतियों का विरोध, धरना, नारे और जनमत निर्माण लोकतंत्र के स्वाभाविक अंग हैं। सत्ता से प्रश्न करना लोकतंत्र-विरोध नहीं, उसकी अनिवार्य शर्त है। जिस व्यवस्था में असहमति के लिए पर्याप्त जगह न हो, वहां स्वतंत्रता संविधान के पनों पर भले सुरक्षित रहे, सार्वजनिक जीवन में उसका अर्थ क्षीण होने लगता है, लेकिन स्वतंत्रता कानून से ऊपर नहीं हो सकती। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसा, आलोचना और भय, राजनीतिक लामबंदी और सार्वजनिक संपत्ति के विनाश के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है। किसी आंदोलन में शामिल होना अपने आप में अपराध नहीं हो सकता, लेकिन आंदोलन की आड़ में किया गया विशिष्ट अपराध

सामूहिकता के कारण अपराधमुक्त भी नहीं हो सकता। इसी कसौटी पर एक सितंबर के सर्वोच्च न्यायालय के उस निर्णय को देखना चाहिए, जिसमें 20 से 25 जुलाई के बीच छात्र-प्रदर्शनों से जुड़ी एफआइआर को अनुच्छेद 142 के तहत समाप्त कर दिया गया। न्यायालय ने छात्रों के भविष्य और प्रदर्शन की शांतिपूर्ण प्रकृति को ध्यान में रखते हुए अपनी असाधारण संवैधानिक शक्ति का प्रयोग किया। साथ ही 2,873 व्यक्तियों से संबंधित गंभीर आपराधिक आरोपों की जांच का रास्ता खुला रखा। इस निर्णय का महत्वपूर्ण पक्ष यही है कि न्यायालय ने सामूहिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत आपराधिक आवरण के बीच अंतर बनाए रखा। प्रदर्शन में भागीदारी और किसी व्यक्ति द्वारा किया गया विशिष्ट अपराध एक ही बात नहीं है। लोकतंत्र में इस अंतर को बचाए रखना उतना ही जरूरी है जितना असहमति के अधिकार की रक्षा करना, लेकिन निर्णय से अनुच्छेद 142 की सीमा को लेकर बड़ा संवैधानिक प्रश्न भी उठता है। सर्वोच्च न्यायालय को %पूर्ण

न्याय% की शक्ति इसलिए दी गई है कि असाधारण परिस्थितियों में संभवतः सामान्य कानूनी उपाय पर्याप्त न हों। हालांकि यह कानून का विकल्प नहीं, न्याय की पूरक शक्ति है। इसका प्रयोग किसी विशिष्ट अन्याय को दूर कर सकता है, लेकिन ऐसा सामान्य सिद्धांत नहीं बना सकता जिससे कानून की बाध्यता या व्यक्तिगत आपराधिक उत्तरदायित्व कमजोर पड़े। पूर्ण न्याय का अर्थ कानून को पीछे छोड़ना नहीं, बल्कि मामले के विशिष्टता और विधि के सामान्य अनुशासन के बीच संतुलन बनाना है। अनुच्छेद 142 की विश्वसनीयता इसी में है कि उसका असाधारण प्रयोग अपवाद रहे, सामान्य अपेक्षा न बने। यदि किसी विशेष परिस्थिति में दी गई राहत को आगे चलकर हर सामूहिक आंदोलन के लिए कानूनी प्रतिरक्षा की तरह देखा जाने लगे, तो न्यायिक अपवाद धीरे-धीरे सामान्य अपेक्षा बन सकता है। तब सामूहिकता व्यक्तिगत उत्तरदायित्व पर हावी होने लगेगी और कानून की समान बाध्यता का सिद्धांत कमजोर पड़ेगा, पर राज्य के लिए भी तो यही

कसौटी है। यदि हर सामूहिक विरोध को संभावित अराजकता मानकर कठोरता से नियंत्रित किया गया, तब कानून-व्यवस्था के नाम पर संवैधानिक स्वतंत्रता का दायरा सिकुड़ जाएगा। कानून का शासन केवल व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम नहीं, वह नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की संवैधानिक व्यवस्था भी है। स्पष्ट है कि न्यायपालिका की भूमिका सबसे कठिन है। उसे यह परखना होगा कि राज्य की कार्रवाई वास्तविक कानून-व्यवस्था की आवश्यकता से प्रेरित है या असहमति को दबाने से और साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी आंदोलन की सामूहिक पहचान किसी व्यक्ति के विशिष्ट अपराध की ढाल न बन जाए। न्यायिक उदारता का अर्थ उत्तरदायित्व से छूट नहीं और न्यायिक कठोरता का अर्थ स्वतंत्रता का संकुचन नहीं। न्यायपालिका की विश्वसनीयता इसी में है कि वह राज्य और नागरिक, दोनों को संविधान की एक ही कसौटी पर तौले। यही लोकतंत्र का मूल द्वंद्व है कि

कानून के बिना स्वतंत्रता अराजकता में बदल सकती है और स्वतंत्रता के बिना कानून दमन का औजार। राज्य की शक्ति इतनी न बड़े कि विरोध की आवाज दब जाए और स्वतंत्रता इतनी निरंकुश न हो कि कानून की बाध्यता ही संदिग्ध हो जाए। %जुरिस्पूडेंस आफ अनाकी% का रूपक इसी संभावित असंतुलन के प्रति चेतावनी है। इसका आशय आंदोलन को अराजक कहना नहीं, बल्कि उस स्थिति से सावधान करना है, जिसमें सामूहिक असहमति के नाम पर निजी उत्तरदायित्व और न्यायिक अपवाद के नाम पर कानून की सामान्य बाध्यता कमजोर पड़ने लगे। डॉ. आंबेडकर की चेतावनी नागरिकों के लिए ही नहीं, राज्य और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी है। नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ जुड़ी जिम्मेदारी स्वीकारनी होगी तो राज्य को असहमति के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करनी होगी, वहीं न्यायपालिका को सुनिश्चित करना होगा कि असाधारण शक्ति न्याय का साधन बने, कानून से ऊपर जाने का माध्यम नहीं।

शानदार कूटनीतिक सफलता ने Brand Modi को और मजबूत कर दिया



बीच भी संवाद की संभावना पैदा की, जिनके बीच गहरे मतभेद हैं। ईरान और खाड़ी के देशों के बीच बातचीत इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। पश्चिम एशिया लंबे समय से टकराव, अविश्वास और संघर्ष का खांदन बना हुआ है। ऐसे समय में दिल्ली का मंच बातचीत के लिए उपलब्ध होना अपने आप में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह दिखाया कि भारत किसी एक खेमे का हिस्सा बनकर नहीं, बल्कि अलग-अलग पक्षों से संवाद करते

हुए अपने लिए स्वतंत्र कूटनीतिक स्थान बना सकता है। भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता। यही वह बिंदु है जहां मोदी की कूटनीति की ताकत दिखाई देती है। अमेरिका से संबंध भी कायम हैं, रूस के साथ

रिश्ते भी बने हुए हैं, चीन से संवाद भी हो रहा है और पश्चिम एशिया के अलग-अलग देशों के साथ भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। यानी भारत किसी एक शक्ति के पीछे चलने के बजाय अपनी शर्तों पर संबंधों का संतुलन साध रहा है। यही सफलता उस राजनीतिक नैरेटिव को भी कमजोर करती है, जिसमें बार-बार यह सवाल उठाया जाता है कि अगर पड़ोसी देश पाकिस्तान ने मक्का समझौता कर लिया, दूसरे देशों के साथ अपने

समीकरण बना लिए और क्षेत्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ गतिविधियां बढ़ीं तो क्या भारत की विदेश नीति असफल हो गई? विदेश नीति को केवल पड़ोस की तत्काल घटनाओं से मापना वास्तविक तस्वीर को छोट्टा कर देना है। असली सवाल यह है कि दुनिया की बड़ी शक्तियां भारत को किस नजर से देख रही हैं और संकट के समय कितने देश भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। दिल्ली की बैठक ने इस सवाल का जवाब काफी हद तक दे दिया है। यहां प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नरेंद्र मोदी, व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग की तस्वीरें जिस तरह वैश्विक स्तर पर चर्चा में आई हैं, उनका राजनीतिक संदेश तस्वीर से कहीं बड़ा है। यह तस्वीर बताती है कि भारत का नेतृत्व एक साथ दुनिया की अलग-अलग शक्तियों के साथ संवाद करने की स्थिति में है। पश्चिमी देशों के लिए भी यह संदेश महत्वपूर्ण है कि भारत को नजरअंदाज करके वैश्विक राजनीति की कोई बड़ी रणनीति पूरी नहीं हो सकती। इसका घरेलू राजनीतिक असर भी कम नहीं होगा। भाजपा लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत

वैश्विक छवि को अपनी राजनींतिक पूंजी के रूप में इस्तेमाल करती रही है। बिक्स की दिल्ली बैठक उस पूंजी को और मजबूत करने का अवसर देती है। बिपक्ष यदि यह कहता है कि सरकार की विदेश नीति कमजोर पड़ गई है, तो भाजपा के पास दिल्ली में जुटे वैश्विक नेताओं, भारत की मध्यस्थ भूमिका और अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ संवाद को सामने रखने का मजबूत राजनीतिक आधार तैयार हो गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली में मिली यह कूटनीतिक सफलता केवल एक शिखर सम्मेलन की सफलता बनकर नहीं रहने वाली। इसका सीधा और दीर्घकालिक लाभ भारत की सामरिक स्थिति को मिल सकता है। रूस, चीन, अमेरिका, यूरोप, ईरान और खाड़ी देशों जैसे अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ एक साथ संवाद कायम रखने की मोदी की क्षमता ने यह संदेश दिया है कि भारत किसी दबाव या धड़े की राजनीति में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर दुनिया की बड़ी शक्तियों के साथ संबध तय करने की स्थिति में है। इसका असर आने वाले समय में व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक

सहयोग और भारत की वैश्विक हैसियत, हर मोर्चे पर दिखाई दे सकता है। साथ ही इस सफलता का एक घरेलू राजनीतिक पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व और भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा के प्रमाण के रूप में जनता के सामने रख सकती है। बिपक्ष यदि विदेश नीति को लेकर सरकार पर सवाल उठाता है, तो भाजपा के पास दिल्ली में एक साथ जुटे विश्व के बड़े नेताओं और मोदी की सक्रिय कूटनीतिक भूमिका को सामने रखने का अवसर होगा। यानी बिक्स की सफलता सिर्फ दिल्ली की कूटनीतिक मेज पर मोदी की जीत नहीं है; यह आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए एक बड़ा राजनीतिक हथियार और मोदी की नेतृत्व छवि को और मजबूत करने वाली उपलब्धि भी बन सकती है। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि बिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता ने घरेलू राजनीति में ब्रांड मोदी को और मजबूत कर दिया है।

बालिकाओं से पढ़ाई का लिया जायजा, जर्जर भवन गिराने और निर्माण कार्य में गुणवत्ता के निर्देश

- जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रानीपुर का किया आकस्मिक निरीक्षण

संवाददाता रानीपुर। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने सोमवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रानीपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर बालिकाओं से संवाद किया और विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछकर शैक्षणिक स्तर परखा। अधिकांश छात्राओं के जवाब संतोषजनक रहे। डीएम ने नियमित अध्ययन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने किचन और स्टॉक रूम में खाद्य सामग्री का स्टॉक रजिस्टर से

मिलान कराया। भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक मिली। डॉरमेट्री के निरीक्षण में बेहतर वेंटिलेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कंप्यूटर कक्ष में सभी कंप्यूटर क्रियाशील मिले और छात्राएं कार्य करती मिलीं। वहीं लाइब्रेरी में छात्राओं की जरूरत के अनुसार उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध कराने को कहा। विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन टॉयलेट ब्लॉक और अतिरिक्त डॉरमेट्री का भी निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था यूपीसीएलडीएफ

को निर्धारित मानकों क अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश दिए। अतिरिक्त डॉरमेट्री में बाथरूम और टॉयलेट को बाहर बनाए जाने के प्रस्ताव पर डीएम ने नक्शे का पुनः परीक्षण कर इन्हें डॉरमेट्री परिसर के भीतर ही बनाने की संभावना तलाशने को कहा। विद्यालय के पीछे स्थित जर्जर भवन का निरीक्षण कर उन्होंने नियमानुसार कार्रवाई पूरी करते हुए भवन ध्वस्त कराने के निर्देश दिए, ताकि हादसे की आशंका न रहे। डीएम ने कहा कि बालिकाओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक शैक्षणिक



वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी रानीपुर सुनील कुमार सिंह समेत संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सरसेना में सरैराह युवक को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

संवाददाता मऊ। चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के सरसेना में सोमवार शाम बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के शोध खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने मौके का निरीक्षण कर तीन पुलिस टीमों का गठन किया है। जानकारी के अनुसार रानीपुर थाना क्षेत्र के लखनुआ डीह काझा निवासी अवनीश (25) पुत्र सुरेश अपने दोस्त गोल्डी के साथ बाइक से सरसेना की ओर जा रहा था। शाम करीब पांच बजे सरसेना पेट्रोल पंप के पास सुनसान रास्ते पर बदमाशों ने उसे गोली मार दी। गोली लगने से अवनीश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ बाइक पर पीछे बैठे गोल्डी ने घटना की सूचना दी। पुलिस ने घायल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी लेते हुए साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए।



विश्वकर्मा योजना: कुम्हार, मोती और राजमिस्त्री अर्थर्थियों का साक्षात्कार आज

संवाददाता मऊ। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण देने के लिए कुम्हार, मोची और राजमिस्त्री ट्रेड में आवेदन करने वाले अर्थर्थियों का साक्षात्कार एवं चयन मंगलवार को होगा। उपयुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने बताया कि चयन प्रक्रिया सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, मऊ स्थित कार्यालय में आयोजित की जाएगी। अर्थर्थियों को निर्धारित समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। चयन गठित समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। अधिकारियों ने अर्थर्थियों से समय से पहुंचने और सभी जरूरी अभिलेख साथ लाने की अपील की है।

स्कूली वाहनों पर छह दिन चलेगा सघन जांच अभियान - सुहैल अहमद

- 1181 स्कूली वाहनों में 30 की फिटनेस फेल, पंजीयन निलंबित, छात्राओं वाले वाहनों में महिला परिचारक अनिवार्य



संवाददाता मऊ। स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा और वाहनों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर जिले में 14 से 19 सितंबर तक 'मिशन सेफ फ्यूचर-3.0' के तहत विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर होने वाले अभियान में स्कूलों के स्वामित्व और अनुबंध पर संचालित वाहनों की सघन जांच की जाएगी। एआरटीओ सुहैल अहमद ने बताया कि जांच के दौरान वाहनों की फिटनेस, सुरक्षा व्यवस्था समेत निर्धारित मानकों की पड़ताल होगी। जिन स्कूल वाहनों में छात्राएं यात्रा करती हैं, उनमें महिला परिचारक (अटेंडेंट) की मौजूदगी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। इसकी विशेष रूप से जांच होगी। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 1181 स्कूली वाहन पंजीकृत हैं। इनमें से 30 वाहनों की फिटनेस फेल पाए जाने पर उनका पंजीयन निलंबित किया जा चुका है। अभियान के दौरान निलंबित वाहनों के अलावा एनओसी वाले वाहनों के संचालन की भी जांच की जाएगी। एआरटीओ ने कहा कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले वाहन/संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बच्चों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

घर में घुसकर मारपीट का आरोप, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र के विग्रहपुर दुबारी गांव निवासी किरन देवी पत्नी जितेन्द्र गोंड की तहरीर/न्यायालय के आदेश के आधार पर पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने, धमकी देने सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में मुकदमा संख्या 347/2026 के तहत धारा 3(5), 115(2), 352, 351(3), 110 व 333 बीएनएस में कार्रवाई की गई है। मुकदमा न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है। दर्ज मामले में वादिनी किरन देवी ने आरोप लगाया है कि बेबी पुत्री नगीना गोंड, रोशन उर्फ साहिल गोंड पुत्र जितेन्द्र गोंड निवासी ग्राम मलकोली थाना मधुबन तथा चार अन्य अज्ञात लोग उसके घर में घुस आए और उसके तथा उसके पुत्र के साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान वह मौके पर बेहोश हो गई। साथ ही जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक घटना 12 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 10 बजे की बताई गई है, जबकि मुकदमा 13 सितंबर 2026 को शाम 6-34 बजे दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक उमाशंकर यादव को सौंपी गई है।

विद्युत विभाग के विशेष अभियान में 17 उपभोक्ताओं पर एफआईआर, 15 बाहर मीटर लगाए गए

संवाददाता मोहम्मदाबाद गोहना (मऊ)। विद्युत विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में सोमवार को अधिशासी अभियंता महेश चंद विश्वकर्मा के नेतृत्व में विद्युत कनेक्शनों की जांच की गई। एसडीओ विद्युत वैभव कृष्ण, अवर अभियंता छोटेलाल, अरविंद कुशवाहा, विपिन चतुर्वेदी, जितेंद्र यादव समेत विभागीय टीम ने कराहा विद्युत उपकेंद्र से सटे विभिन्न गांवों में पहुंचकर उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन और मीटरों की जांच की। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 17 विद्युत उपभोक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जबकि 15 उपभोक्ताओं के मीटर बाहर लगाए गए। इसके अलावा 12 उपभोक्ताओं का विद्युत भार बढ़ाया गया। अभियान के दौरान पांच नए मीटर लगाए गए और सात नए विद्युत कनेक्शन दिए गए। विभाग को राजस्व के रूप में 1,27,200 रुपये की प्राप्ति हुई। एसडीओ वैभव कृष्ण ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे वैध विद्युत कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपभोग करें तथा समय से विद्युत बिल का भुगतान करें। उन्होंने कहा कि विद्युत निचमों का पालन करने से उपभोक्ता न केवल एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हैं, बल्कि विद्युत संबंधी दुर्घटनाओं और कार्रवाई से भी बच सकते हैं। अभियान में विद्युत विभाग के समस्त अवर अभियंता, कर्मचारी और लाइनमैन मौजूद रहे।

घोसी में आठ दिवसीय गन्ना सट्टा प्रदर्शन मेले का शुभारंभ



संवाददाता घोसी। घोसी नगर के मझवारा मोड़ स्थित सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड के परिसर में सोमवार को गन्ना विकास विभाग की तरफ से आठ दिवसीय गन्ना सट्टा प्रदर्शन मेले का शुभारंभ किया गया। मेला 14 से 21 सितंबर तक चलेगा जिसका उद्घाटन गन्ना समिति के अध्यक्ष रणजीत सिंह,

चीनी मिल घोसी के पूर्व उपसभापति रामाश्रय राय, समिति के सचिव हीरालाल राम तथा मुख्य गन्ना अधिकारी अजय कुमार यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान गन्ना पर्यवेक्षकों के साथ बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। समिति अध्यक्ष रणजीत सिंह ने किसानों से मेले का लाभ उठाने की अपील करते

हुए कहा कि किसान अपने सट्टे में दर्ज विवरण की जांच कर लें और किसी प्रकार की कमी या त्रुटि होने पर समय रहते उसमें सुधार करा लें। इससे पेराई सत्र के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। चीनी मिल के पूर्व उपसभापति रामाश्रय राय और समिति के सचिव हीरालाल राम ने बताया कि

मेले के दौरान किसान अपने सट्टे में दर्ज खतौनी, गन्ना रकबा, गन्ने की किस्म, बैंक खाता संख्या, आधार संख्या और मोबाइल नंबर समेत अन्य विवरणों की जांच कर सकते हैं। न्युटि मिलने पर उसका सुधार कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान गन्ना किसानों और गन्ना विकास विभाग के बीच पारदर्शिता, सामंजस्य और विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। अंत में समिति के सचिव हीरालाल राम ने उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और किसानों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह, शिवचंद यादव, दुर्गा विजय, हरिनारायण सिंह, मन्ना यादव, संतोष यादव, वेदप्रकाश चौहान, रामा चौहान, राजकुमार, अजीत कुमार, शिवनाथ, गोपाल यादव, चंद्रमणि, सुबेदार, केशव सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

हरियाली तीज पर सुहागिनों ने रक्खा निर्जला व्रत, शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य

संवाददाता मऊ। हरियाली तीज के अवसर पर सोमवार को सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए श्रद्धा एवं आस्था के साथ तीज व्रत रखा। महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिरों और घरों में धार्मिक माहौल बना रहा। सुबह से ही महिलाओं ने स्नान आदि के बाद नए वस्त्र धारण कर पूजा की तैयारी शुरू कर दी। हाथों में मेहंदी रचाने के साथ ही महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से तीज व्रत की कथा सुनी और एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं। मान्यता है कि तीज व्रत रखने से दांपत्य जीवन सुखमय होता है और पति की लंबी आयु की कामना पूरी होती है। व्रत को लेकर बाजारों में भी काफी चहल-पहल रही। महिलाओं ने पूजा सामग्री, मेहंदी, चूड़ियां, नए वस्त्र और तथा संबंधित गेटों की स्थिति का निरीक्षण किया। तीज पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

कपूरपुर में कुर्य फाट विवाद को लेकर एसडीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण



राजस्व निरीक्षक को मौके की वास्तविक स्थिति के आधार पर नियमानुसार नक्शा एवं कुर्य फाट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंटवारे की प्रक्रिया में सभी पक्षकारों के हितों का ध्यान रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। एसडीएम के स्थलीय निरीक्षण से लंबे समय से लंबित मामले के जल्द निस्तारण की उम्मीद जगी है। इस दौरान एआरके सुधाकर, लेखपाल गौरव राय सहित दोनों पक्षों के लोग मौजूद रहे।

गूंगा गणपति बप्पा मोरया, घर-घर विराजे विघ्नहर्ता

- प्रतिष्ठानों से लेकर घरों तक विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना, प्रसाद वितरण कर मांगी सुख-समृद्धि
संवाददाता मऊ। जिले में सोमवार को गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक घरों और विभिन्न प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजन-अर्चना किया गया। गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश का आवाहन कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि, शांति तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर पूजन के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। प्रतिष्ठानों में भी गणेश प्रतिमा के समक्ष विशेष पूजा-अर्चना कर व्यापार में उन्नति और विघ्न-बाधाओं से मुक्ति की कामना की गई। मऊ। कल्पनाथ राय मेडिकल कॉलेज परिसर में भी गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजन-अर्चना किया गया। विधि-विधान से पूजा के बाद प्रतिमा का कपाट खोला गया। इस दौरान लोगों में प्रसाद का वितरण किया गया। डॉक्टर मनोष राय ने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान गणेश से सभी के सुख, समृद्धि और संकल्पों की सिद्धि की कामना की। मऊ। साई कॉलेज ऑफ फार्मसी एंड नर्सिंग में गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजन-अर्चना किया गया। गणेश वंदना, मंत्रोच्चार और आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से कॉलेज परिसर भक्तिमय हो उठा। कॉलेज के चैयरमैन अखिलेश कुमार राय और डायरेक्टर डॉ. प्रमोद मौर्य ने पूजा-अर्चना कर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश ज्ञान, बुद्धि और विवेक के प्रतीक हैं। विद्यार्थियों को एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भजन-कीर्तन और सामूहिक आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। कॉलेज परिसर को फूलों और सजावटी सामग्री से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। आयोजन ने विद्यार्थियों में धार्मिक आस्था के साथ एकता, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया।

खेत पर अवैध कब्जे के प्रयास का आरोप, विरोध करने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी; पांच पर मुकदमा

संवाददाता मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र के धर्मपुर कसायर गांव में खेत पर अवैध कब्जा करने के प्रयास का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में धारा 3(5), 352 और 351(3) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। पुलिस अभिलेख के अनुसार, राहुल दुबे पुत्र धनश्याम दुबे, निवासी ग्राम धर्मपुर कसायर, पोस्ट बीबीपुर, थाना मधुबन, जनपद मऊ ने तहरीर दी। आरोप है कि संबंधित लोग वादी के खेत में अवैध कब्जेदारी करने का प्रयास कर रहे थे। विरोध करने पर वादी के साथ गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।मामले में नामजद आरोपियों में सुबाषचंद यदुवंशी पुत्र यदुनंदन यादव, प्रेमचंद यादव पुत्र यदुनंदन यादव, रुद्र प्रताप यादव पुत्र प्रेमचंद यादव, सुनीता पत्नी प्रेमचंद यादव तथा सुशीला पत्नी सुबाष चंद यादव, सभी निवासी ग्राम धर्मपुर कसायर, पोस्ट बीबीपुर, थाना मधुबन, जनपद मऊ शामिल हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक घटना 13 सितंबर 2026 को सुबह 9-30 बजे की बताई गई है, जबकि मुकदमा उसी दिन शाम 4-55 बजे दर्ज किया गया।

बच्चों के आधार लिंक खाते में जाएगी बाल सेवा योजना की राशि

संवाददाता मऊ। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड एवं सामान्य) के लाभार्थी बच्चों को मिलने वाली आर्थिक सहायता अब सीधे उनके आधार लिंक बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने लाभार्थियों के अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चे का बैंक खाता खुलवाकर पासबुक की छायाप्रति तीन दिन के भीतर जिला प्रोबेशन कार्यालय में जमा कर दें, ताकि डीबीटी के जरिए समय से धनराशि खाते में भेजी जा सके। उन्होंने बताया कि कम उम्र के बच्चे का खाता माता-पिता या अभिभावक के संरक्षण में खोला जाता है तो खाते में प्रथम नाम बच्चे का दर्ज होना अनिवार्य है। योजना की धनराशि हर हाल में बच्चे के आधार लिंक खाते में ही भेजी जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने लाभार्थियों के अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चे का बैंक खाता खुलवाकर पासबुक की छायाप्रति तीन दिन के भीतर जिला प्रोबेशन कार्यालय में जमा कर दें, ताकि डीबीटी के जरिए समय से धनराशि खाते में भेजी जा सके।

मंगलसूत्र झपटकर बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, ज्वैलर से लॉकेट बरामद

संवाददाता रानीपुर। अस्पताल परिसर में महिला के गले से मंगलसूत्र का लॉकेट झपटकर भागने के मामले में रानीपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पीली धातु का मंगलसूत्र लॉकेट, 1,930 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, नौ सितंबर को आरोपी सुजीत यादव निवासी छपरा, थाना चिरैयाकोट ने अस्पताल परिसर में महिला के गले से मंगलसूत्र का लॉकेट झपट लिया था। बाद में उसने लॉकेट को चिरैयाकोट निवासी ज्वैलर नितेश उर्फ गोलू की दुकान पर 21 हजार रुपये में बेच दिया। पुलिस ने सुजीत को 14 सितंबर को मिर्जापुर गौशाला के सामने हुड्डारा के पास गिरफ्तार किया। पृष्ठताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने ज्वैलर नितेश उर्फ गोलू को भी हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर संबंधी के माध्यम से मंगवाया गया लॉकेट पुलिस ने बरामद कर लिया। मौके पर पहुंची पीड़िता ने बरामद लॉकेट और सुजीत की पहचान की।

सुजौली कांजी हाउस में गौवंशों की बदहाली पर बजरंग दल में आक्रोश, पदाधिकारी पहुंचे मौके पर



संवाददाता मिहौपुरवा/बहराइच। विकासखंड मिहौपुरवा अंतर्गत ग्राम पंचायत सुजौली में संचालित कांजी हाउस में गौवंशों की बदहाली का मामला सामने आने के बाद बजरंग दल के

पदाधिकारियों में आक्रोश फैल गया। आरोप है कि कांजी हाउस में करीब 50 गाय एवं अन्य गौवंशों के लिए पर्याप्त भूसा, हरा चारा तथा चुन्नी-चोकर की व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते गौवंशों को भूख और

निरीक्षण के दौरान एक गौवंश की हालत गंभीर मिली, जिसकी आंख से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। कांजी हाउस के केयरटेकर शत्रुहन ने भी व्यवस्थाओं को लेकर अपनी समस्याएं बताते हुए आरोप लगाया कि उसे करीब दो माह से मानदेय/वेतन नहीं मिला है। उनका कहना है कि गौवंशों के लिए हरा चारा, भूसा और चुन्नी-चोकर उपलब्ध कराने को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। केयरटेकर की शिकायत के बाद बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख कृष्णा पाण्डेय, प्रखंड संयोजक राम सिंह और अंजनी कुमार मौके पर पहुंचे तथा कांजी हाउस का निरीक्षण किया। मौके की स्थिति देखकर पदाधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए गौवंशों के लिए तत्काल पर्याप्त चारा, पानी और उपचार की व्यवस्था किए जाने की मांग की। मामले की जानकारी मिलने पर पशु चिकित्सा अधिकारी सुजौली डॉ. विपिन बिहारी भी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने गंभीर रूप से घायल गौवंश का तत्काल उपचार किया तथा अन्य गौवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। पशु चिकित्सा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि गौवंशों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होने दी जाएगी। बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख कृष्णा पाण्डेय ने कहा कि सरकार गौवंश संरक्षण के लिए लाखों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि कांजी हाउस में गौवंशों को पर्याप्त चारा और उपचार तक नहीं मिल पा रहा है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने संबंधित जिम्मेदारों से तत्काल व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कांजी हाउस की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ और गौवंशों की दुर्दशा दूर नहीं की गई तो बजरंग दल आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मामले की जांच कराकर कांजी हाउस में नियमित चारा, पानी, साफ-सफाई और पशु चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

नाजायज चाकू के साथ 19 वर्षीय अभियुक्त गिरफ्तार, छह मुकदमे दर्ज



संवाददाता बहराइच 14 सितंबर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दरगाह शरीफ पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नाजायज चाकू बरामद किया। पुलिस

अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्र के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दरगाह शरीफ अमितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान

पुलिस टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया, जिसे रोककर पूछताछ एवं तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक नाजायज चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की पहचान अल्ताफ उर्फ जगा पुत्र अन्दुल करीम निवासी पलरीबाग इमामगंज, थाना दरगाह शरीफ, जनपद बहराइच, उम्र करीब 19 वर्ष के रूप में हुई। चाकू बरामद होने के बाद पुलिस ने थाना दरगाह शरीफ में मु0अ0सं0 414/2026 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी कई अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें

थाना दरगाह शरीफ में वर्ष 2022 के दौरान चोरी एवं बरामदगी से संबंधित धाराओं में दो मुकदमे, थाना नानपारा में चोरी एवं बरामदगी का मुकदमा, वर्ष 2025 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा तथा वर्ष 2026 में आर्म्स एक्ट का एक अन्य मुकदमा शामिल है। वर्तमान चाकू बरामदगी का मुकदमा मिलाकर अभियुक्त के विरुद्ध कुल छह मुकदमों का आपराधिक इतिहास पुलिस ने बताया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल सुधाकर शर्मा, हेड कांस्टेबल अमित कुमार मिश्रा, कांस्टेबल नवीन पाण्डेय तथा कांस्टेबल अनुराग शर्मा शामिल रहे।

कजरी तीज को लेकर मंदिर व घाट का निरीक्षण



संवाददाता बहराइच 14 सितंबर। आगामी कजरी तीज पर्व के दृष्टिगत नवागतुक्त जिलाधिकारी बहराइच राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने रविवार को बाबा बागेश्वरनाथ मंदिर पयागपुर तथा भगण्डवा चौकी के पास स्थित सरयू

घाट, मंदिर एवं तालाब परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, क्षेत्राधिकारी पयागपुर हर्षिता तिवारी, स्थानीय

थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंदिर परिसर, सरयू घाट और तालाब क्षेत्र में कजरी तीज पर्व के दौरान संभावित श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन, प्रवेश एवं निकास, बैरिकेडिंग तथा पुलिस बल की तैनाती के संबंध में जानकारी ली

और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने, आवश्यकता पड़ने पर यातायात डायवर्जन लागू करने तथा संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। घाट और तालाब क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विशेष सतर्कता बरतने, भीड़ का दबाव बढ़ने पर प्रभावी भीड़ प्रबंधन करने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी रखने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार भ्रमणशील रहकर निगरानी रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया।

हिंदी प्रयोग का लिया संकल्प



संवाददाता बहराइच 14 सितंबर। स्थानीय दीवानी न्यायालय परिसर में सोमवार को अखिल भारतीय हिंदी विधि प्रतिष्ठान, उत्तर प्रदेश जनपद बहराइच की ओर से हिंदी विधि सप्ताह के प्रथम दिन को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। संस्थान के अध्यक्ष

पं. रामछोले शुक्ला ने सभागार में उपस्थित अधिवक्ताओं एवं हिंदी प्रेमियों को न्यायिक एवं विधिक कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी के प्रयोग का संकल्प दिलाया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कवि रामसुरत वर्मा 'जलज' ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर मूक-बधिर छात्र-छात्राओं ने 'यह देश है वीर जवानों का' तथा 'हम छोटे-छोटे बच्चे हैं' देशगीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन अनूप श्रीवास्तव ने किया, जबकि व्यवस्था की जिम्मेदारी सुश्री रंजीता वाल्मीकि ने संभाली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी के विकास के लिए न्यायपालिका, व्यवस्थापिका, विधायिका और प्रेस यानी लोकतंत्र के चारों स्तंभ निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हिंदी के व्यापक प्रयोग और विकास के लिए सभी को अपना सहयोग देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय संविधान में 'इंडिया टू दै इज भारत' कहा गया है और अब संकल्प लेने की आवश्यकता है कि भारत की पहचान एवं कार्यप्रणाली में हिंदी को उचित स्थान मिले। उन्होंने कहा कि सात दशक से अधिक की यात्रा के बाद भी हिंदी वह मुकाम हासिल नहीं कर पाई है, जिसकी आमजन अपेक्षा करता रहा है। जनपद अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि गुजरात में रहने वाले महात्मा गांधी और स्वामी दयानंद सरस्वती जैसे संत-महात्माओं ने हिंदी की सेवा किसी हिंदी भाषी समाजसेवी से भी अधिक की। मीडिया प्रभारी अनिल त्रिपाठी ने बताया कि हिंदी विधि सप्ताह के अगले कार्यक्रम में विधिक पुस्तकों, वाद पत्रों, प्रतिवाद पत्रों एवं निर्णयों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रम में अपर जनपद न्यायाधीश पवन शर्मा, राकेश सिंह, अरविंद गौतम, अनिल कुमार, सचिव जलाल अकबर, पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र पांडेय, रामनारायण मिश्रा, राम अचल सिंह सेंसर, रामजी वाजपेई, अधिवक्ता संघ के महामंत्री शैलेन्द्र सिंह, विजय पाठक, श्रीनिवास तिवारी, परमानंद पांडेय, विलमंद शुक्ला, आनंद सिंह सेंसर, पयकर जमाल, अभिव्यंजना श्रीवास्तव, एसएमएस जैदी, सभाजीत मिश्रा, कपिश दीक्षित, कृष्ण मुरारी तिवारी, संजय तिवारी, लक्ष्मण देव पांडेय, प्रियंका सिंह, नागेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी एवं अधिवक्ता मौजूद रहे।

सक्षिप्त खबरें...

एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी ने किया निःशुल्क प्रशिक्षण कक्षाओं का शुभारम्भ



संवाददाता बहराइच 14 सितम्बर। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनांतर्गत स्व. वक्रुर हुकुम सिंह किसान स्नाकोत्तर महाविद्यालय बहराइच में मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंत, पुलिस उपाध्यक्ष राज सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, सचिव किसान पीजी कॉलेज डॉक्टर मेजर एसपी सिंह, प्रधानाचार्य किसान पीजी कॉलेज डॉक्टर विनय सक्सेना के साथ निःशुल्क प्रशिक्षण कक्षाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण राजेश चौधरी ने बताया कि किसान पी.जी. कालेज यू.पी.एस.सी./यू.पी.पी.सी.एस, महिला पीजी कालेज टी. ई. टी./सी.टी. ई.टी/सुपर. टी.ई. टी/पी. ई.टी. राजकीय इंटर कॉलेज एन.ई.ई. टी/ई. ई.टी/एन. डी. ए, राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय रिसिया एन. ई.ई. टी व सी. यू. ई. टी व जिला समाज कल्याण विभाग गेंदवर में एस. एस. सी/यू. पी. एस.एस.एस.सी इत्यादि प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के लिए छात्र-छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सीडीओ की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड व आईजीआरएस संदर्भों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता बहराइच 14 सितम्बर। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों, सीएम डैशबोर्ड एवं आईजीआरएस संदर्भों की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंत की अध्यक्षता में



बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा निस्तारित किए गए संदर्भों की कार्यवाही का प्रभावी अनुश्रवण करते हुए रैकिंग में सुधार लाया जाए, ताकि जनपद की रैकिंग प्रभावित न हो। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जनसंतुष्टि का प्रतिशत किसी भी दशा में कम न होने पाए। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान सीडीओ ने संबंधित अधिकारी को संतुष्टि व असंतुष्टि की आख्या साथ में लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की मीटिंग कराये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। साथ ही विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफओ बहराइच सुन्दरेशा, जिला विकास अधिकारी राज कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार(डीईएसटीओ घासीराम, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार ने बैटरी स्कूटी में मारी जोरदार टक्कर, चालक फरार

संवाददाता बहराइच 14 सितंबर। फखरपुर ब्लॉक परिसर के आगे खालिदपुर मोड़ के पास रविवार शाम 13 सितंबर को तेज रफ्तार कार ने बैटरी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी।

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिंग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच0आई0जी0-ए10/2, टिकैत राय, एल0डी0ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवतिका देवेन श्याम मों0नं0-7007960727, 9820014904 Email-yugsrishti02gmail.com, web-www.yugsrishti02 , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।



कुब्रा सैत ने की ‘मैग्नेटिक फ़ोर्स’ की खोज, उनके मजेदार रिएक्शंस ने जीता फैस का दिल

कुब्रा सैत ने एक बार फिर अपने मजेदार अंदाज़ से फैस का मनोरंजन किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक बेहद दिलचस्प वीडियो साझा किया है, जिसमें वह अपने माथे के बीच वाले हिस्से में %मैग्नेटिक फ़ोर्स% की खोज करती नजर आ रही हैं। इस छोटे से वीडियो में आप देखेंगे कि एक साधारण से प्रयोग के रूप में शुरू हुआ यह पल जल्द ही उनके मजेदार रिएक्शंस की वजह से बेहद मनोरंजक बन जाता है। वीडियो में कुब्रा अपने माथे के बीचों-बीच एक चाबी रखती दिखाई देती हैं। जब वह वहीं टिक जाती है, तो वह हैरान रह जाती हैं। इस अप्रत्याशित नतीजे से उत्साहित होकर वह बार-बार इसे आजमाती हैं और कैमरे पर अपनी मजेदार प्रतिक्रियाएं रिकॉर्ड करती हैं। आप देखेंगे कि उनकी जिज्ञासा और स्वाभाविक हास्य ने इस वीडियो को और भी दिलचस्प बना दिया है। इस वीडियो को साझा करते हुए कुब्रा ने कैप्शन में लिखा है, फ़दिमाग के बीचों-बीच चुंबकीय शक्ति रखने वाली महिलाओं से पंगा मत लेना !फ़ इसी के साथ ही उन्होंने कुछ मजेदार इमोजी भी जोड़े। फ़िलहाल यह हल्का-फुल्का पोस्ट देखते ही देखते सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचने लगा है। फैस को उनकी यह अनोखी खोज और उसे प्रस्तुत करने का मजेदार अंदाज़ काफी पसंद आया है। वैसे कुब्रा अक्सर अपने सोशल मीडिया पर ऐसे ही सहज और रिलेटेबल पल साझा करती रहती हैं, जो दर्शकों के साथ तुरंत जुड़ जाते हैं और उनका मनोरंजन करते हैं। वर्क फ़ंट की बात करें तो कुब्रा को उनके हालिया प्रोजेक्ट %संकल्प% में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना मिल रही है, जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा वह इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज %फ़र्जी 2% की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह शाहिद कपूर और विजय सेतुपति के साथ अपने लोकप्रिय किरदार साथरा के रूप में वापसी करनेवाली हैं।

स्वस्थ और समृद्ध बचपन निहित है बाल लीलाओं में



हर साल जन्माष्टमी पर हम मटकी फोड़ते हैं, माखन-मिश्री का भोग लगाते हैं। जरा सोचिये उस माखनचोरी में ऐसा क्या था कि वह हजारों साल बाद भी परंपरा में है। हांडी ऊंचाई पर लटकी है। छींके से माखन की मटकी उतारने ग्वाल-बाल जुटते हैं। पिरामिड बनता है। कोई फिसलता है, किसी के घुटने में चोट लगती है। मटकी आखिर टूटती है। माखन किसी के चेहरे पर लगता है, किसी के हाथ में और शुरू हो जाती है सामूहिक खुशी। उस शरारत में कोई खिलौना नहीं था, कोई स्क्रीन नहीं। फिर भी रोमांच था, कल्पना थी, दोस्ती थी। कल शाम मैं अपनी सोसाइटी के पार्क से गुजर रही थी। झूले खाली थे। फिसलपट्टी पर कोई बच्चा नहीं था। जब कुछ साल पहले तक शाम होते ही यहां बच्चों का शोर

बनाया करता था। हम हर साल जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ते हैं, झांकियां सजाते हैं, कान्हा को नए कपड़े पहनाते हैं, माखन-मिश्री का भोग लगाते हैं। मगर शायद ही कभी सोचते हैं कि उस माखनचोरी में आखिर ऐसा क्या था कि वह हजारों साल बाद भी हमारे बीच जीवित है। जरा उस दृश्य की कल्पना कीजिए। छींके पर माखन की मटकी टंगी है, कान्हा अकेले उसे नहीं उतार सकते। सो ग्वाल-बाल जुटते हैं। कोई किसी का कंधा पकड़ता है, कोई ऊपर चढ़ता है, कोई नीचे खड़ा होकर सहारा देता है। मानव-पिरामिड बनता है। कोई फिसलता है, किसी के घुटने में चोट लगती है, थोड़ा हंसी-मजाक होता है, फिर सब दोबारा जुट जाते हैं। मटकी आखिर टूटती है। माखन किसी के चेहरे पर लगता है, तो किसी के हाथ में और शुरू हो जाती है, वह सामूहिक खुशी जिसकी कल्पना आज मुश्किल लगती है। उस पूरी शरारत में कोई खिलौना नहीं था, कोई स्क्रीन नहीं थी, किसी ने बच्चों को खेल समझाया भी नहीं था। फिर भी रोमांच था, कल्पना थी, दोस्ती थी। सबसे बड़ी बात, बच्चे उस खेल में खुद कुछ कर रहे थे। आज हमारे बच्चों की दुनिया से यही चीज धीरे-धीरे गायब हो रही है। बच्चा रोया, मोबाइल दे दिया। खाना नहीं खा रहा, वीडियो चला

दिया। हम व्यस्त हैं, उसके हाथ में टैबलेट थमा दिया। बच्चा चुप हुआ तो हमें लगा समस्या हल हो गई। मगर सच यह कि हमने बच्चे को शांत नहीं किया, उसकी बेचैनी को समझने की मेहनत से खुद को बचा लिया। स्क्रीन को बुरा थहराना आसान रास्ता है। तकनीक आज बच्चों की ज़िंदगी का हिस्सा है और रहेगी। असली सवाल है कि क्या स्क्रीन ने बच्चे के जीवन से बाकी दुनिया की जगह ले ली है, वह दुनिया जिसमें वे मिट्टी में खेलते थे, बारिश में भीगते थे, पेड़ पर चढ़ते थे, पतंग के पीछे भागते थे। किसी दोस्त से लड़ते और दस मिनट बाद उसी के साथ फिर खेलने लगते। हारते, रोते, नाराज होते, अपनी बारी का इंतज़ार करते और धीरे-धीरे सीखते कि दुनिया हमेशा उनकी इच्छा से नहीं चलती। बचपन की यही छोटी-छोटी परेशानियां उसे जीवन के लिए तैयार करतीं। आज बच्चा मोबाइल के गेम में दस लेवल पार कर लेता है, लेकिन असली खेल में हार जाना उसे बड़ा संकट लगने लगता है। ऑनलाइन दुनिया में वह हर चीज एक क्लिक में बदल सकता है, लेकिन असली रिश्तों में दूसरे की असहमति और नाराज़गी से निपटना सीखना पड़ता है। यह सीख स्क्रीन नहीं दे सकती। मां यशोदा बचपन को समझती थीं



सिंह वर्सेस कौर 2 में कैसा रहा बंगाली किरदार निभाने का अनुभव, शहनाज गिल ने कही दिल की बात

चंडीगढ़ अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म सिंह वर्सेस कौर 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस बार वह पदों पर एक बंगाली महिला के किरदार में नजर आएंगी। शहनाज ने अपने किरदार, बंगाली भाषा सीखने की मुश्किलों, गिप्पी ग्रेवाल के साथ काम करने के अनुभव और फिल्म की कहानी को लेकर खुलकर बात की। शहनाज गिल ने कहा कि फिल्म का ट्रेलर जितना मसालेदार दिखाई दे रहा है। फिल्म में उससे कहीं ज्यादा देखने को मिलेगा। शहनाज ने कहा, सिंह वर्सेस कौर 2 में मेरा किरदार काफी दिलचस्प है। मैं एक बंगाली महिला का रोल निभा रही हूं और इस किरदार को करने में मुझे काफी मजा आया। यह मेरे लिए आसान नहीं था। खुद पंजाबी होने की वजह से बंगाली भाषा बोलना मेरे लिए एक नई चुनौती थी। टीम ने इस किरदार के लिए मेरी काफी मदद की और भाषा सिखाने के लिए टीचर्स भी रखे। मैं अपनी लाइनें दिमाग में पंजाबी में याद करती थी, लेकिन कैमरे के सामने मुझे बंगाली में बोलना होता था। मेरे लिए यह प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण जरूर थी, लेकिन साथ ही काफी मजेदार भी रही। उन्होंने कहा, फिल्म में कोलकाता को खूबसूरती से दिखाया गया है। इस फिल्म में कॉमेडी, रोमांस, एक्शन और इमोशनस का अच्छा मेल देखने को मिलेगा। ट्रेलर में दर्शकों ने अभी जितना देखा है, फिल्म में उससे कहीं ज्यादा मसाला मौजूद है। गिप्पी ग्रेवाल के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी शहनाज ने कहा, गिप्पी फन लविंग और केयरिंग हैं और वह एक अच्छे होस्ट भी हैं। सेट पर मैं गिप्पी को लगातार नोटिस करती रहती थी। मुझे लगता था कि उन्हें कई चीजों की अच्छी नॉलेज है। मैं अपने करियर में आगे गिप्पी के साथ काम करना चाहूंगी। हिट फेंचाइजी का हिस्सा बनने को लेकर शहनाज ने कहा, इसमें एक तरह की चुनौती जरूर होती है। फिल्म के पहले पार्ट में जसमीत कौर का किरदार किसी और एक्ट्रेस ने निभाया था,



बिग बॉस 18 में एंट्री लेंगी ईशा रिखी, बोलीं-दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं

अभिनेत्री ईशा रिखी जल्द ही रियलिटी शो %बिग बॉस-18% में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वह अपनी असली पर्सनैलिटी को दिखाने के लिए इस सीजन में आना चाहती है। अभिनेत्री ने बताया, +दर्शक मुझे अभी तक सिर्फ एक अभिनेत्री के तौर पर ही जानती है। मैं चाहती हूँ कि लोग जानें कि ईशा रिखी कौन हैं और मेरी पर्सनैलिटी के सभी अलग-अलग शेड्स देखें।+ अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि वे शो में किस तरह से गेम खेलेंगी। उन्होंने कहा, +मैं असली रहूंगी क्योंकि मैं दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूँ। मुझे वो बनना नहीं पसंद है, जो मैं नहीं हूँ। मैं शो को ईमानदारी से खेलने की कोशिश करूंगी और उम्मीद है कि इसे ईमानदारी से जीतूंगी भी।+ अभिनेत्री का मानना है कि शो में जाने के बाद उनका सबसे चैलेंज पब्लिक जजमेंट हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वे शो में सिचुएशन को किस तरह से डील करेंगी। उन्होंने कहा, +जब मुझे लगेगा कि किसी तरह की बात को शांति से डील करना चाहिए, तो मैं उसे वैसे ही करूंगी, लेकिन जब सिचुएशन संभल नहीं रही, तो मैं जरूर सख्ती से पेश आऊंगी।+ आईएनएस ने ईशा रिखी से सवाल किया, +हमने बिग बॉस को कंटेस्टेंट्स के पिछले रिश्तों को घर में लाते देखा है, जिसमें उनके एक्स-पार्टनर भी शामिल हैं। आप ऐसी सिचुएशन से कैसे निपटेंगे?+ अभिनेत्री ने कहा, +जो भी होगा, देखा जाएगा। मेरे पास इसके लिए कोई प्लान या तैयारी नहीं है।+ अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में अपनी मां की वजह से जा रही हैं। उन्होंने कहा, +मैं आमतौर पर अपने दोस्तों के लिए आखिर तक जाती हूँ और उनके लिए स्टैंड लेती हूँ, लेकिन मुझे नहीं पता कि शो के अंदर मेरी दोस्ती कितनी स्ट्रॉंग होगी। मैं अच्छा खेलने जा रही हूँ और मैं अपनी मां के लिए शो जीतना चाहती हूँ। तो, जाहिर है, मैं टॉपी को प्रावीरिटी देने की पूरी कोशिश करूंगी।+ उन्होंने आगे कहा, +मैं



स्कूली पढ़ाई है स्टार्टअप की टूलकिट

विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित यानी एसटीईएम केवल पढ़ाई के विषय नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के प्रभावशाली औजार हैं। छात्र अपने आसपास की समस्याओं का समाधान निकाल कर स्टार्ट-अप और रोजगार पैदा कर सकते हैं। स्कूल में पढ़े गये ये सब्जेक्ट युवाओं को नये अवसर बनाने की क्षमता देते हैं। हर साल जब 12वीं के नतीजे आते हैं, तो भारतीय घरों में एक ही सवाल गूंजता है, ‘बेटा, इंजीनियर बनेगा या डॉक्टर?’ नहीं तो सरकारी नौकरी की तैयारी कर ले?’ यह सवाल पुराना है, मौजूदा परिस्थितियों में इसकी भाषा और दिशा बदलनी चाहिए। वजह, आज का समय सिर्फ नौकरी पाने का नहीं, बल्कि नौकरी

बनाने का है। और नौकरी बनाने की सबसे मजबूत ताकत है स्त्रक्षरू यानी विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित का कॉम्बिनेशन। एसटीईएम अब केवल स्कूल के विषय नहीं हैं। ये वे औज़ार हैं, जिनसे एक साधारण छात्र भी अपने आसपास की समस्या पहचानकर उसका समाधान बना सकता है। यही समाधान आगे चलकर व्यवसाय बनता है, रोज़गार बनाता है और समाज में बदलाव लाता है। इसलिए 12वीं पास करने के बाद एसटीईएम को केवल परीक्षा का हिस्सा मानना भूल होगी। यह आपके भविष्य की नींव है। आज के भारत में अवसर बदल चुके हैं। मोबाइल, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान, छोटे स्टार्ट-अप, ऑनलाइन बाज़ार और

स्थानीय नवाचार ने एक नया रास्ता खोला है। अब किसी युवा को केवल सरकारी नौकरी या बड़े शहर की नौकरी तक सीमित नहीं रहना चाहिए। वह अपने गांव, कस्बे या शहर की समस्या से शुरुआत करके भी बड़ा काम कर सकता है। यही उद्यमिता है और एसटीईएम उसकी भाषा है। पंजाब का उदाहरण लीजिए। यहां भूजल लगातार नीचे जा रहा है। किसान अक्सर जरूरत से ज्यादा पानी लगा देते हैं, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं चलता कि मिट्टी में नमी कितनी है। इससे पानी बर्बाद होता है, बिजली व पैसा भी खर्च होता है। लेकिन एक 10+2 छात्र, जिसने भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स की थोड़ी समझ ली हो, एक सस्ता सॉइल मॉइस्चर सेंसर बना

सकता है। यह सेंसर बताएगा कि मिट्टी में पानी कब देना है और कब रोकना है। अगर छात्र इसे सेवा के रूप में दें, मासिक शुल्क के साथ, तो यह एक छोटा व्यवसाय बन जाएगा। राजस्थान में भी ऐसा ही अवसर है। वहां बांधनी, ब्लॉक प्रिंटिंग, नीली मिट्टी के बर्तन, चमड़े का काम और कई अन्य पारंपरिक शिल्प हैं। लेकिन अक्सर कारीगरों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिलता। बीच में दलाल आ जाते हैं। एक 10+2 छात्र स्मार्टफोन, इंटरनेट और थोड़ी मार्केटिंग समझ के साथ कारीगरों को सीधे ग्राहकों से जोड़ सकता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उनके उत्पादों की अच्छी तस्वीरें, सही कीमत और भरोसेमंद डिलीवरी के साथ बिक्री की जा सकती

है। यहां गणित लागत, मुनाफा और उचित मूल्य तय करने का आधार बन जाता है। बिहार में सब्जियां भारी मात्रा में पैदा होती हैं, लेकिन बहुत-सा माल बाज़ार तक पहुंचने से पहले खराब हो जाता है। वजह है भंडारण की कमी और समय पर ठंडा रखने की सुविधा न होना। एक छात्र साधारण भौतिकी की मदद से कम लागत का ठंडा कमरा बना सकता है। ईट, रेत, पानी और हवा के प्रवाह से ऐसा तंत्र तैयार किया जा सकता है, जिसमें सब्जियां कुछ दिन और सुरक्षित रह सकें। किसान थोड़े शुल्क पर अपनी उपज वहां रख सकता है और मजबूरी में कम दाम पर बेचने से बच सकता है। यह इंजीनियरिंग का प्रभावशाली उपयोग है।